✓ किशोरी लड़कियों के लिए पोषक कार्यक्रम संचालन (NPAG)

[NPAG]

इस योजना का आरम्भ सन् 2002 - 2003 में लागू किया गया जिसमें गर्भवती महिलायें तथा दूध पिलाने वाली महिलाओं को शामिल किया गया है। इस योजना में 6 Kg खाद्य पदार्थ को दिया जाता है जो उनके वजन के अनुसार निर्धारित किया जाता है। यह योजना सर्वप्रथम पायलट योजना के रूप में देश के 51 जिलों में सर्वप्रथम सन् 2003-04 में लागू किया गया। जब पायलट प्रोजेक्ट पुरी तरह सफल रहा तो इसे सन् 2005-06 में नारी तथा बाल मंत्रालय के द्वारा पूरे देश में लागू कर दिया गया। सर्वप्रथम यह योजना 51 पिछड़े राज्य के जिलों में कुपोषित किशोरी लड़कियों को शामिल किया गया यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चालू की गयी जिसका वित्तीय कोष केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार मिलकर करते हैं इसमें 100% का भुगतान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तौर पर टार्गेट के रूप में 11 से 19 वर्ष के लड़कियों के लिए जिनका वजन 35 Kg से कम हो रखा गया है।

लाभ => ① लड़कियों में स्वास्थ्य, पोषण के दर को बढ़ाना।

② कि लड़कियों में घरेलू व्यावसायिक प्रशिक्षण आधि मूलय। प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों से अवगत कराना।

③ 6 Kg खाद्य पदार्थ हर महीने वितरित देना

④ स्वास्थ्य पोषण परिवार का पोषण तथा पाचन क्रिया के साथ-साथ बच्चों की परवरिश तथा घर का प्रबन्ध जैसे कार्यों में संलिप्त कराना।

NPAG – National Programme for Adolescent Girls

Scanned with CamScanner

समाज तथा समाज से जुड़ी सामाजिक जिम्मेदारी तथा पर्यावरण से जुड़ी जानकारी से अवगत कराना।

⑥ स्वयं के द्वारा निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।

Scanned with CamScanner

✓ Inspire - (टेक्नोलोजी इनोवेशन इनसाइड) Date: प्रसमृद्ध क

इंस्पायर सर्च -

विज्ञान में प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए यह प्रोग्राम को संचालित किया जाता है। इंस्पायर का मुख्य उद्देश्य सम्प्रेषण के द्वारा युवाओं में उत्तेजना जैसे प्रभाव को विकसित करना जिससे विज्ञान तथा विज्ञान प्रौद्योगिकी जैसे विषयों को बढ़ावा मिल सके। युवाओं में कम उम्र से ही उनके प्रतिभा को खोज करने की प्रक्रिया विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी से किया जाता है।

INSPIRE के द्वारा विभिन्न प्रकार के आयुवर्ग के बच्चों में प्रतियोगी परीक्षाए तथा उनके स्तर को खोजा जाता है। साथ-साथ उनकी दक्षता उत्तेजना शैक्षिक पृष्ठभूमि के साथसाथ प्रतिभा को पहचानना होता है।

भारत सरकार ने इस कार्यक्रम को नवम्बर 2008 में कुल खर्च रुपया 1979.25 करोड़ ~~कक्षा नवीं के विद्यार्थी~~ अपने 11वें योजना में, माननीय प्रधानमंत्री ने 13 दिसम्बर 2008 को पूरे देश में लागू कर दिया।

INSPIRE कार्यक्रम को तीन योजना में विभाजित किया गया है।

(i) SEATS अर्थात शीघ्र आकर्षण प्रतिभावान विद्यार्थी विज्ञान विषय के लिए

(ii) SHE - छात्रवृत्ति उच्च कक्षाओं के लिए - scholarship of higher edu

(iii) AORC - शोध प्रकार की प्रक्रिया को बढ़ावा देने।

Assured opportunities for Research carrier

प्रथम क्रम में नवाचार को खोज करना जिसकी उम्र 10 से 15 हो, ऐसे विद्यार्थी को 2 लाख तक के स्कीम में रखा गया है। अर्थात 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थी को यह पुरस्कार दिया जाता है। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले कक्षाओं की पढ़ाई हेतु हर वर्ष 5000 प्रत्येक बच्चे को दिया जाता है जो पाँच वर्ष तक चलता है।

Asha

SPIRE हेतु मूलभूत दिशानिर्देश —

(1) यह पुरस्कार कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए दिया जाता है।

(2) परीक्षा प्रक्रिया में विद्यार्थियों का चयन विद्यालय स्तर पर किया जाता है जिसे प्रधानाचार्य उसको अग्रसारित करता है।

(3) प्रमीलियन तक का पुरस्कार पाँचवर्षों के लिए कक्षा 6 से 10वीं तक के लिए निर्धारित किया गया है।

(4) प्रत्येक छात्र को लगभग 5000₹ देने का कार्य इसप्रोजेक्ट को निर्धारित किया गया है। 4.5 लाख का पुरस्कार (छात्रवृत्ति) माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है।

(5) परीक्षा के कार्यक्रम का संचालन सर्वप्रथम जिला स्तर, राज्य स्तर, मण्डल स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर सम्पादित किया जाता है। जिसमें अलग-2 स्तर के लिए बजट ~~निर्धारित~~ ~~क~~ का निर्धारण अलग-2 राज्यों हेतु किया गया है।

(6) छात्रवृत्ति का भुगतान विद्यार्थी के बचत खाते में SBI के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से भेजा जाता है।

(7) इसमें शासकीय विद्यालय, अर्द्धशासकीय विद्यालय तथा नीजी विद्यालय के बच्चों का माध्यमिक स्तर पर चयन किया जाता है।

(8) विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया कक्षा 6वीं 10वीं तक के लिए नाम, तथा पता का सही अवलोकन करके अग्रसारित करने का कार्य प्रधानाचार्य का होता है जिसे जिला ~~स्त~~/ राज्य शिक्षा विभाग को भेजा जाता है।

(9) राज्य शिक्षा विभाग चयनित विद्यार्थियों का शैक्षिक रिकार्ड का अवलोकन करके चयन प्रक्रिया की विशेष शर्तों से अवगत कराता है।

(10) DST की विशेष प्रक्रिया को राज्य स्तर पर भेज कर विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रोद्योगिकी के साथ परीक्षा का संपादन एक साथ कराने का योजना बनाता है।

Scanned with CamScanner